कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures) | | | | | | | |

(In Words) ----------

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ----

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय हिन्दी

परीक्षा का दिन.....

दिनांक .....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जावेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ..... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 159/2016

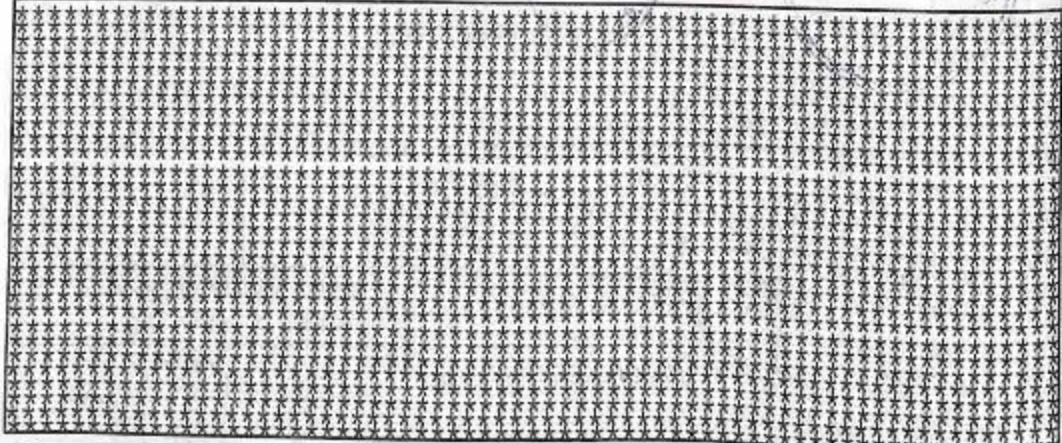

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

खण्ड - क

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर-1 (क) शीर्षक ⇒ ~~स्वाल~~ स्वावलम्बन का महत्त्व

(ख) जब व्यक्ति के मन में अपना कार्य करने का उत्साह नहीं होता, अपने ऊपर विश्वास नहीं होता, उसमें आलस्य भरा होता है और वह जब सम्पूर्ण रूप से परावलम्बी हो जाता है तब वह समाज के ऊपर भार बन जाता है।

(ग) जब किसी समाज के सभी व्यक्ति परावलम्बी, अकर्मण्य, आलस्ययी न होकर स्वावलम्बी, अपने कार्य को उत्साह से करने वाले, आलस्य न करने वाले होते हैं तब वह समाज सम्पूर्ण प्रगति पर होता है अतः समाज की प्रगति सभी व्यक्तियों के आचार या व्यक्तित्व पर निर्भर करती है

(घ) महापुरुषों अपने महान जीवन मे स्वावलम्बन धारण कर, आलस्य न कर तथा अपने कार्यों को उत्साह पूर्वक शीघ्र करके अपने जीवन को सफल बनाया था

उत्तर-2 (क) शीर्षक - पथ भूल न जाना पथिक कहीं

(ख) जब सैनिक युद्ध की रणभेरी सुनते ही सैनिक उत्साह से भर जाते हैं, वह अपने माता - पिता व सगे - सम्बन्धियों से विदा कहकर युद्ध में जाने की तैयारी करते हैं। अपने अस्त्र - शस्त्रों को धार देते हैं और चले जाते हैं।

(ग) 'कर्तव्य - प्रेम की उलझन में' पंक्ति से हमारा आशय यह है कि जब सैनिक युद्ध को जाते हैं तब अपनी स्त्रियों के आंसू देख कर उलझ जाते हैं अर्थात अपने उनके प्रति कर्तव्य व प्रेम मे फँस जाते हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(घ) जब स्वदेश बलिदान मांग रहा होता है तो तब हमारा कर्तव्य यह है कि हमें जरा असमंजस में नहीं पड़ना चाहिए व तुरन्त तौना तान के चल देना चाहिए। हमें अपने पैरों को पीछे नहीं खिसकाना चाहिए सिर पर कफन बांध के मातृभूमि की रक्षा के लिए चल देना चाहिए।

खण्ड - ख

उत्तर-3-

निबन्ध

राजस्थान में गहराता जल संकट

(i) जल का महत्व ⇒

जल हमारी पृथ्वी या सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के पंचभौतिक तत्वों में से एक प्रमुख तत्व है यह हमारे जीवन के लिए अति महत्वपूर्ण है यह हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है। इसीलिए ही तो सारे ऋषि-मुनियों ने कहा है 'जल है तो जीवन है' या 'जल ही जीवन है'। हमारी यह परम्परा में भी कहा गया 'जलस्य अभावेन जीवनं नास्ति'। हमारी पृथ्वी जीवन सम्भव है क्यों कि यहां जल की उपलब्धता है। अतः जल संरक्षण आवश्यक है। हमें जल संरक्षण के योगदान देना चाहिए।

(ii) जलाभाव का परिणाम ⇒

अगर जल नहीं होगा तो जीवन भी सम्भव नहीं होगा। जलाभाव के राजस्थान में कई परिणाम देखने को मिलते हैं

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

जैसे कि राजस्थान मे मरुस्थलीय भूमि बढ़ती जा रही है। इससे राजस्थान मे फसले कम पैदा होने लगी हैं और भोजन की उपलब्धता मे भी काफी कमी आई है। यहां भूमि पर जनसंख्या का दबाव गहराता जा रहा है इसलिए हमे यहां जल की आवश्यकता है। राजस्थान के मैदानी भाग मे जीविका चलाना भी कठिन हो गया है क्यों कि वहां जल की अत्यधिक कमी देखने को मिलती। यहां बंजर भूमि अधिक हो गई है व उपजाउ भूमियो की सीमित उपलब्धता भी देखने को नहीं मिलती है। पश्चिमी भाग मे तो स्थितियाँ बेहद विकराल हो गई हैं। उत्तरी भाग मे तो भी थोड़ी बहुत हरियाली देखने को मिलती है इसलिए वहां पर भूमि पर उपजाउ क्षेत्र अधिक है। इसलिए राजस्थान मे स्थितियाँ बहुत विकराल होती जा रही हैं। इसलिए हमे उपजाऊ भूमि को कम करने की आवश्यकता है।

(iii) जल की उपलब्धता ⇒

हमारी पूरी पृथ्वी पर जल कम मात्रा मे उपस्थित है। पृथ्वी पर उपस्थित जल मे से 97% जल महासागरीय जल है तथा 1% जल ही काम में लाने योग्य जल है तथा इसका भी अधिकांश भाग पर्वतों पर बर्फ के रूप मे उपस्थित है। राजस्थान मे पहले जो नदियां आती थी वे अब वहां से नहीं गुजरती हैं राजस्थान के उत्तर मे से कुछ नहरे निकलती है जो केवल उसी भाग को हरा - भरा करती है। कुछ नदियां जैसे सोम व रावी व तापती पूर्व मे आती हैं परन्तु वे थोड़ा जल ही प्रदान करती हैं इस प्रकार राजस्थान मे जल बहुत कम देखने को मिल पाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

भावी जल संकट ⇒

वर्तमान में तो जल की कमी राजस्थान में देखने को मिल रही है परन्तु अभी तो गुजारा चल रहा है किन्तु आने वाले समय में अर्थात् भावी समय में जल और भी कम मात्रा में देखने को मिलेगा इससे भावी पीढ़ी का क्या होगा यह सोचा भी नहीं जाता है भावी पीढ़ी शायद गुजर-बसर भी नहीं कर पाएगी अगर इसी प्रकार से जल-प्रदूषण या जल का अतिदोहन होता रहा तो। इसलिए हमें सतत पोषणीय विकास के बारे में चिन्ता करनी चाहिए क्योंकि भावी पीढ़ी को भी तो जीने का अधिकार है। इसलिए हमें जल-संरक्षण पूर्ण रूप से करना चाहिए।

(v) उपसंहार ⇒

राजस्थान में इस प्रकार के जल संकट को देखकर हमें कुछ न कुछ प्रतिक्रिया अवश्य करनी चाहिए इसीलिए कहा गया है- 'रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून' अर्थात् हमें जल को बनाए रखना चाहिए क्योंकि 'अमृत जल' की भावना सभी ओर फैली हैं। जनता का सहयोग नितान्त अपेक्षित है प्रतिबद्धता रहेगी तो सफलता अवश्य मिलेगी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर-5

मकान नं० २५, आदर्श मुहल्ला
सीकरी

१५-२-16

माननीय पुलिस अधिकारी,
नगर

विषय - मुहल्ले मे आये दिन हो रही चोरी के विषय में।

~~सेवा में~~
माननीय
पुलिस अधिकारी जी मैं आपका ध्यान हमारे मुहल्ले मे हो रही चोरी की और आकर्षित करना चाहता हूं क्योंकि आये दिन यह देखा जाता है कि कभी किसी के चोरी हुई तो कभी किसी के घर। मुहल्ले वाले इससे तंग आ चुके हैं। गत सप्ताह ही श्री रमेश शर्मा के घर चोरी हुई उनके चार लाख रुपये चुर गए। वे इससे बहुत हताश हुए और घर बदलकर चले गए। चोरों सभी मुहल्ले वासियों के मन मे आतंक फैला रखा। आतंक इतना फैल गया है कि व्यक्ति रात को सोते भी नहीं हैं।

इसीलिए आपसे निवेदन है कि आप इस आतंक को करवाये। कृपया शीघ्र इस बात पर ध्यान दें औरजो जरूरी हो उसे अवश्य शीघ्र करें।

आपका भवदीय कपिल

धन्यवाद,

दिनांक - 15-२-16

परीक्षक तथा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर-

(क) वाक्य में सकर्मक क्रिया है।

परिभाषा → जिस वाक्य में कर्म प्रयुक्त हो अर्थात् क्रिया का प्रभाव कर्त्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़ता हो तो वहाँ सकर्मक क्रिया होती है।

(ख) 'महात्मा गाँधी' का पद परिचय → (i) पुल्लिंग, (ii) एकवचन

'बोलते थे' का पद परिचय → ~~सकर्मक~~ भूतकालिक क्रिया (ii) पुल्लिंग ~~सकर्मक~~

(ग) रचना की दृष्टि से वाक्य के तीन भेद होते हैं।

(i) साधारण वाक्य → ऐसा वाक्य जिसमें एक उद्देश्य व एक ही विधेय होता है उसे साधारण वाक्य कहते हैं।
उदा० → राम खेलता है।

(ii) संयुक्त वाक्य → ऐसा वाक्य जिसमें दो या दो से अधिक वाक्य किसी संयोजक शब्द से जुड़े हों उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं।

उदा० → राम ने खाना खाया और सो गया।

(iii) मिश्र वाक्य → ऐसा वाक्य जिसमें एक प्रधान उपवाक्य हो और एक या एक से अधिक आश्रित उपवाक्य हो उसे मिश्र वाक्य कहते हैं।

उदा० → गाँधीजी ने कहा कि सदा सत्य बोलो।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(घ) नौ दो ग्यारह होना → भाग जाना

उदा० → राम को पुलिस की खबर सुनकर गाँव से नो-दो ग्यारह हो गया।

(ii) काला अक्षर भैंस बराबर →

वाक्य प्रयोग → राम अभी हिन्दी लिखना भी नहीं जानता उसको कुछ भी बताना काला अक्षर भैंस बराबर के समान है।

(ङ) निम्न पंक्ति में अनुप्रास अलंकार है।

परिभाषा →

जब किसी पंक्ति में एक ही वर्ण बार-बार प्रयुक्त हुआ हो तो उसे अनुप्रास अलंकार कहते हैं।

उत्त-6 (क)

फसल पैदा करने में बहुत सारे तत्वों व व्यक्तियों का हाथ होता है। जैसे- बहुत सारी नदियों के पानी का, लाखों-करोड़ों मानवीय हाथों का, हजारों खेतों की मिट्टी जैसे भूरी, काली व संदली मिट्टी का, सूरज की किरणों का व हवा की शीतलता आदी का योगदान फसल पैदा करने में होता है।

(ख) खेतों में फसलों को लहराते हुए देखकर मानव के मन में मनभावने चित्र उभरने लगते हैं। वह प्रसन्नचित्त हो जाता है तथा फसल से प्राप्त धन के बारे में सोचने लगता है और मन्त्रमुग्ध सा हो जाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर 7 (क) कृष्ण ने मथुरा जाने के बाद श्री जो सन्देश उद्धव के हाथ भेजा उसे सुनकर गोपियां स्तब्ध रह गयीं व उनका मन कातर होने लगा। गोपियों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि वे तो अभी तक श्रीकृष्ण के आने की बाट देख रही थीं परन्तु उन्होंने योग सन्देश भिजवाकर उनके क्रोध मे घी का काम किया है।

(ग) कवि गिरिजा कुमार माथुर ने सन्देश देते हुए कहा है कि हमें बीती बातों को याद नहीं करना चाहिए इससे हमारा वर्तमान व भविष्य दोनों बिगड़ जाता है हमें यथार्थ व सत्य को स्वीकार करना चाहिए।

(घ) राम - लक्ष्मण - परशुराम संवाद के आधार पर मनुष्य को क्रोध, उग्रता को त्यागकर विनम्रता, शालीनता, बड़ो का आदर, मर्यादा पालन व विनय शीलता को अपना चाहिए। इससे ही मनुष्य सुखी रहता है।

उत्तर 8 (क) ~~रेखांकित पंक्ति~~ उपर्युक्त पंक्ति मे कवि मानव को यह बोध कराता है हमें यश, वैभव, मान व पूंजी के पीछे नहीं भागना चाहिए। क्यों इन्हें इन्हें कोई मनुष्य प्राप्त नहीं कर सकता। हमें बड़प्पन भी नहीं दिखाना चाहिए। हमें बीती हुई स्मृतियों को याद नहीं करना चाहिए इससे दुख दुगुना होता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(ख) भौतिक वस्तुऐं मानव को बहुत प्रभावित करती हैं जैसे मनुष्य यश, वैभव, मान, पूंजी के पीछे भागता रहता है परन्तु उसे यह नहीं मिलते हैं। इनमें मनुष्य उसी प्रकार भ्रमित हो जाता है जैसे मरुस्थलीय भूमि पर हिरण।

(ग) इस पंक्ति के माध्यम से कवि बताता है कि जिस प्रकार हर चाँदनी रात के पीछे काली रात छुपी होती है उसी प्रकार हर सुख के पीछे दुख व दुख के पीछे सुख छिपा होता।

(घ) कवि गिरिजाकुमार माथुर के अनुसार जीवन में यश, वैभव, मान, सम्मान के पीछे न भागकर यथार्थ व सत्य को स्वीकार कर जीना चाहिए। हमें जीवन में सरलता, व सादगी दिखानी चाहिए।

उत्तर 3- (क) हालदार साहब बार-बार सोचते हुए दुखी हो गए कि क्या होगा इस कौम का जो अपने देश की खातिर घर, गृहस्थी - जवानी - जिंदगी सबकुछ होम देने वालों पर हंसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूंढती है।

(ख) हालदार साहब कस्बे में इसलिए नहीं रुकना चाहते थे क्यों कि वे ~~अब~~ कस्बे में सुभाष की मूर्ति तो होगी पर चश्मा नहीं होगा क्यों कि कैप्टन मर गया था और वे सुभाष की बिना चश्मे वाली मूर्ति को नहीं देखना चाहते थे

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर-1 (ख) फादर बुल्के को भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग इसलिए कहा है क्योंकि उन्होंने अपनी मातृ भूमि छोड़कर भारतीय संस्कृति को अपनाया और उन्होंने हिन्दी से एम.ए किया, इलाहबाद मे वे हिन्दी के व्याख्याता रहे उन्होंने हिन्दी की प्रतीक राम कथा पर शोध लिखा और सबके घर आते-जाते रहे।

(ग) मन्नु भंडारी को भाषणबाजी करते हुए लेखिका के पिता के दकियानूसी विचारधारा वाले मित्र ने सुना तो उसने लेखिका का घर से बाहर जाना बंद करवा दिया बल्कि जब लेखिका के पिता ने प्रोफेसर से उसकी बड़ाई सुनी तो वे लेखिका से खुश हो गए।

(घ) लेखक ने प्राचीन व नवीन शिक्षा प्रणाली अंतर बताते हुए कहा है कि प्राचीन काल मे आश्रमों में पढ़ाई होती थी और बच्चो से लिखा जाता था परन्तु अब तो पास में ही विद्यालय खुल गए है जिससे लड़कियाँ भी स्कूल जाने मे समर्थ हैं जो पहले नहीं थी

उत्तर-2 (क) नेताजी का चश्मा पाठ मे यह बताया गया है कि देशभक्ति फौजी बनकर, बलिदान करने से ही दिखाई जाती बल्कि देशभक्ति छोटे काम जैसे महापुरुषों का सम्मान या कैप्टन की तरह भी दिखाई जा सकती है।

(ख) बिस्मिल्ला खाँ के आधार पर यह बात बिल्कुल सत्य प्रतीत होती है क्योंकि वे हमेशा खुदा से सच्चे स्वर की

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

मांग करते थे और अपने ऊपर झिल्लाते भी थे कि अभी तक उन्हे सच्चा स्वर क्यों नही मिला अन्त मे वे भारत रत्न से सम्मानित हुए।

उत्तर-12- हिरोशिमा मे जब लेखक सड़को पर घुम रहा था तो तब उसकी निगाह एक उजले हुए पत्थर पर गई जो सम्पूर्ण रूप से जला हुआ था उस पर एक व्यक्ति की छाया थी तब उन्होंने सोचा शायद परमाणु बम्ब गिरने के समय इस पर कोई व्यक्ति खड़ा होगा और रेडियो धर्मी किरणो ने उसे भाप बनाकर उड़ा दिया होगा तब उनके मन मे अनुभूति उठी कि इस परमाणु विघटन से लोगो का क्या हुआ होगा। उनकी मन:स्थिति दुखी थी। उन्होंने व्यर्थ जीव नाश के बारे मे सोचा और उस पर एक लेख लिखा।

उत्तर-13-(क) 'जॉर्ज पंचम की नाक' व्यंग्यात्मक कहानी मे सरकारी तंत्र की गुलामी की मानसिकता पर व्यंग्य है कि वे अब भी स्वतन्त्र होकर गुलाम बने हुए हैं। और सरकारी तन्त्र की उदासीन मानसिकता पर भी व्यंग्य है क्यों कि सरकारी तन्त्र बिना मीटिंग के कोई कार्य नहीं करता है।

(ग) टुन्नु के मारे जाने की खबर सुनकर दुलारी स्तब्ध रह गई। उसका मन कातर हो उठा। कठोर हृदया दुलारी फुट-2 कर रोने लगी उसने अपने अश्रु छिपाने का कोई प्रयास नहीं किया। वह खादी की साड़ी पहनकर वहाँ गई जहाँ उसके टुन्नु मृत्यु हुई और गाने लगी। 'ऐही ठैयां झुलनी हे रानी हो रामा'।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(घ) 'साना - साना हाथ जोड़ी...' ~~कवित~~ पाठ मे लेखिका ने माया - इस संसार व छाया - सौन्दर्य अर्थात इस संसार का सौन्दर्य। लेखिका ने माया व छाया का खेल पल - पल रूप बदलती मनोहर प्रकृति को बताया है।

उत्तर-14 - (क) दुपहिया वाहन चलाते समय हमे हेलमेट पहनना चाहिए, शराब पीकर गाड़ी नहीं चलानी चाहिए व मोटरसाइकिल के कागज, बीमा, रजिस्ट्रेशन प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र अवश्य रखना चाहिए हमें तेज गति मे वाहन नहीं चलाना चाहिए।

(ख) एक अच्छे नागरिक होने के नाते हम सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त आदमी की मदद निम्न प्रकार से कर सकते हैं -

हमें अच्छे नागरिक की हैसियत से दुर्घटना स्थल न भागकर दुर्घटनाग्रस्त आदमी के हाल पूछने चाहिए। अगर वह ज्यादा चोटिल है तो एम्बुलेंस को फोन कर उसे अस्पताल पहुंचाना चाहिए।

समाप्त